MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:13 FEB. 2026

विद्यार्थियों ने सीखी बोलने का कला

कार्यशाला के दौरान छात्रों को बोलने की कला सिखाते विशेषज्ञ। • सौजन्य : आयोजक

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता व संचार विश्वविद्यालय में रेडियो कर्मवीर की री-लान्चिंग शुक्रवार को विश्व रेडियो दिवस पर होगी। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए आवाज की दुनिया के विशेषज्ञों ने वर्कशाप के माध्यम से रेडियो के लिए बोलने और लिखने के कौशल सिखाए।

जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में विविध भारती से कमल शर्मा और पत्रकार शैफाली चतुर्वेदी ने मार्गदर्शन दिया। शैफाली ने पहले सत्र में रेडियो लेखन की कला और विज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि श्रोता की पहचान करना आवश्यक है।

दूसरे सत्र में कमल शर्मा ने छाया गीत और गुरुदत्त साहब पर रेडियो फीचर प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रतिभागियों को बताया कि कहानी हर जगह है, बस उसे सुनाना आना चाहिए। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, डा. आशीष जोशी, प्रो. संजय द्विवेदी और प्रो. शिवकुमार विवेक उपस्थित थे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVDUNIYA '13 FEBRUARY.2026

एमसीयू में विश्व रेडियो दिवस पर कार्यशाला आज

रेडियो कर्मवीर की री-लॉन्चिंग से पहले विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक प्रशिक्षण

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में विश्व रेडियो दिवस (13 फरवरी) की पूर्व संध्या पर 'रेडियो कर्मवीर' की री-लॉन्चिंग के अवसर पर बोलने की कला, शिल्प और विज्ञान विषय पर विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में रेडियो जगत की प्रतिष्ठित हस्तियों ने विद्यार्थियों को रेडियो प्रस्तुति और लेखन के व्यावहारिक गुर सिखाए।

जनसंचार विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में बीबीसी की पत्रकार शैफाली चतुर्वेदी और विविध भारती के लोकप्रिय उद्घोषक कमल शर्मा ने मार्गदर्शन दिया। प्रथम सत्र में शैफाली चतुर्वेदी ने रेडियो लेखन की कला और श्रोता की समझ को सफलता का आधार बताया। उन्होंने गतिविधियों और अपनी प्रस्तुति 'खिड़की मेहंदी

वाली' के माध्यम से समझाया कि प्रभावी रेडियो कार्यक्रम के लिए श्रोता की पहचान बेहद जरूरी है।

द्वितीय सत्र में कमल शर्मा ने अपनी विशिष्ट शैली में 'छाया गीत' और गुरुदत्त पर आधारित रेडियो फीचर के अंश प्रस्तुत कर प्रतिभागियों को मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के पास कहानी है, बस उसे प्रभावी ढंग से कहना आना चाहिए। उन्होंने शब्दों की ध्वनि, लय और अभिव्यक्ति पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी।

कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, रेडियो कर्मवीर के निदेशक डॉ. आशीष जोशी, प्रो. संजय द्विवेदी और अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने प्रश्नों के माध्यम से जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

एमसीयू में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष आयोजन

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के माखनपुरम परिसर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन 13 फरवरी को सायं 2:30 से 5 बजे के मध्य आयोजित किया जा रहा है। इसमें पुणे से पधारे प्रसाद कुलकर्णी जी एवं उनका दल राष्ट्रीय गीत की 150 वर्षों की यात्रा की विशिष्ट प्रस्तुति देगा। राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान भी आयोजन का सहभागी है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAIDUNIYA'13 FEBRUARY.2026

एमसीयू में विश्व रेडियो दिवस की पूर्व संध्या पर कार्यशाला आयोजित

रेडियो कर्मवीर की री-लॉन्चिंग पर जुटे आवाज के सितारे

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में रेडियो कर्मवीर की री-लॉन्चिंग 13 फरवरी विश्व रेडियो दिवस पर की जा रही है इस अवसर की पूर्व संध्या पर विद्यार्थियों के लिए आवाज की दुनिया के जानेमाने नाम परिसर में आए और उन्होंने वर्कशॉप के द्वारा विद्यार्थियों को रेडियो के लिए बोलने और लिखने के गुर सिखाए। अख़बार पहल और विकल्प के पश्चात कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने रेडियो कर्मवीर की कायाकल्प का बीड़ा उठाया और विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान व अभ्यास के उद्देश्य से रेडियो कर्मवीर के लिए तैयार किया गया। इसके तहत जनसंचार विभाग के तत्वावधान में एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में विविध भारती से गूंजने वाली मखमली आवाज के धनी कमल शर्मा और बीबीसी की पत्रकार शैफाली चतुर्वेदी ने प्रतिभागियों को मार्गदर्शन दिया। प्रथम सत्र में सुश्री शैफाली ने बताया कि रेडियो लेखन की कला, क्राफ्ट और साइंस जानना कितना जरुरी है। उन्होंने अत्यंत रोचक अंदाज में एक्टिविटी करवा कर और अपनी प्रस्तुति 'खिडक़ी मेहंदी वाली' के माध्यम से बताया कि रेडियो की दुनिया में आपका शो कितना सफल होगा यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम यह जानें कि हमारा श्रोता कौन है।

कमल शर्मा के छाया गीत ने किया मंत्रमुग्ध

विश्व रेडियो दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित इस कार्यशाला के दूसरे सत्र में विविध भारती की जानी पहचानी आवाज कमल शर्मा ने छाया गीत और गुरुदत साहब पर बने रेडियो फीचर के माध्यम से सभी को मन्त्रमुग्ध कर दिया। प्रतिभागियों से उन्होंने कहा कि कहानी हर कहीं है, हर किसी की है बस हमें सुनाना आना चाहिए। आवाज अच्छी या बुरी नहीं होती हमारी प्रस्तुति सही या गलत होती है। आप कितनी तन्मयता से रस लेकर शब्दों के अर्थ को महसूस कर अपने श्रोता तक पहुंचाते हैं यह महत्वपूर्ण है। शब्दों की भी लम्बाई, चौड़ाई और गोलाई होती है इसे समझ कर बोलने की कला विकसित कीजिए। अपने प्रति निर्मम बनिए, अपने आलोचक खुद बनिए। माइक्रोफोन आपका पहला श्रोता है उससे बात कीजिए। वही आपका दोस्त है वही आपकी सहेली। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी सहित रेडियो कर्मवीर के निदेशक डॉ. आशीष जोशी, प्रो. संजय द्विवेदी, प्रो. शिवकुमार विवेक उपस्थित थे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTI '13 FEBRUARY.2026

आवाज अच्छी या बुरी नहीं होती प्रस्तुति सही या गलत होती है: शर्मा

जागरण, भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में बोलने की कला, शिल्प और विज्ञान विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर विविध भारती के प्रसिद्ध उदघोषक कमल शर्मा और बीबीसी की पत्रकार शैफाली चतुर्वेदी ने विद्यार्थियों को रेडियो पत्रकारिता के गुर सिखाए। विविध भारती की जानी-पहचानी आवाज कमल शर्मा ने कहा कि आवाज अच्छी या बुरी नहीं होती, बल्कि हमारी प्रस्तुति सही या गलत होती है। उन्होंने जोर दिया कि शब्दों की लंबाई और गहराई को समझकर बोलना चाहिए और माइक्रोफोन को अपना सबसे अच्छा दोस्त मानकर संवाद करना चाहिए। प्रथम सत्र में शैफाली चतुर्वेदी ने खिड़की मेहंदी वाली प्रस्तुति के माध्यम से बताया कि रेडियो शो की सफलता श्रोताओं की पसंद को समझने पर निर्भर करती है। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान के लिए रेडियो कर्मवीर का कायाकल्प किया गया है। कार्यक्रम में निदेशक डॉ. आशीष जोशी, प्रो. संजय द्विवेदी और प्रो. शिवकुमार विवेक सहित वरिष्ठ प्राध्यापक उपस्थित रहे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK JAGRAN '13 FEBRUARY.2026

आवाज की दुनिया के धुरंधर आए माखनपुरम में

रेडियो कर्मवीर की री-लॉन्चिंग पर जुटे सितारे

60 और 70 दशक के लोगों के लिए रेडियो विरासत से कम नहीं....

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आज भी रेडियो को सुनने वाले श्रोताओं की कमी नहीं बहुत अच्छा कमी नहीं है। खासकर 60 और 70 दशक के लोग आज भी रेडियो से ही गहरा जुड़ाव महसूस करते हैं। ऐसा उन्हें लगता है कि वह अपनी पुरानी विरासत को संभाल कर रखे हैं। आज यदि मैं एक रेडियो उद्घोषक नहीं होता तो एस्टॉनोमर होता या साइंटिस्ट होता, क्योंकि उस वक्त में एस्ट्रोनॉमी में भी मेरा काफी रुझान था, लेकिन किस्मत मुझे विविध भारती के दरवाजे तक ले आई, जिसमें मेरे द्वारा मुंबई में भारत का पहला 'फोन इन फरमाइश' 1992 में डिजाइन किया गया, जिसे श्रोताओं का भरपूर प्यार मिला।

यह कहना है वरिष्ठ रेडियो उद्घोषक, विविध भारती से गूंजने वाली मखमली आवाज के धनी कमल शर्मा का, जो विश्व रेडियो दिवस की पूर्व संध्या पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि में रेडियो कर्मवीर की री-लॉन्चिंग के अवसर पर प्रतिभागियों को मार्गदर्शन के लिए आए। कर्मवीर री लांचिंग के अवसर पर दो सत्र आयोजित हुए।

कहानी हर कहीं, बस हमें सुनाना आना चाहिए

कमल शर्मा ने कहा कि कहानी हर कहीं है, हर किसी की है, बस हमें सुनाना आना चाहिए। आवाज अच्छी या बुरी नहीं होती हमारी प्रस्तुति सही या गलत होती है। आप कितनी तन्मयता से रस लेकर शब्दों के अर्थ को महसूस कर अपने श्रोता तक पहुंचाते हैं, यह महत्वपूर्ण है। शब्दों की भी लम्बाई, चौड़ाई और गोलाई होती है इसे समझ कर बोलने की कला विकसित कीजिए। अपने प्रति निर्मम बनिए, अपने आलोचक खुद बनिए। माइक्रोफोन आपका पहला श्रोता है, उससे बात कीजिए। वही आपका दोस्त है, वही आपकी सहेली।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी सहित रेडियो कर्मवीर के निदेशक डॉ. आशीष जोशी, प्रो. संजय द्विवेदी, प्रो. शिवकुमार विवेक उपस्थित थे। डॉ. लाल बहादुर ओझा ने सत्र संचालन किया और तकनीकी सहयोग डॉ. शलभ श्रीवास्तव ने दिया।

'खिड़की मेहंदी वाली' से बताया कि हमारा श्रोता कौन है

प्रथम सत्र में पत्रकार शैफाली चतुर्वेदी ने रेडियो लेखन की कला, क्राफ्ट और साइंस के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अत्यंत रोचक अंदाज में एक्टिविटी करवा कर और अपनी प्रस्तुति 'खिड़की मेहंदी वाली' के माध्यम से बताया कि रेडियो की दुनिया में आपका शो कितना सफल होगा, यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम यह जानें कि हमारा श्रोता कौन है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI '13 FEBRUARY.2026

दैनिक भास्कर भोपाल 13-02-2026

एमसीयू में रेडियो पर बोलने की कला की सिखाई गईं बारीकियां

भोपाल| माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि में गुरुवार को विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर रेडियो कर्मवीर की री-लॉन्चिंग की तैयारी के तहत छात्रों के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। जनसंचार विभाग की इस कार्यशाला में विविध भारती के कमल शर्मा और बीबीसी की शैफाली चतुर्वेदी ने रेडियो पर बोलने और लिखने की कला सिखाई। कमल शर्मा ने कहानी सुनाने की तकनीक साझा की, जबकि शैफाली ने रेडियो लेखन और श्रोताओं की समझ पर जोर दिया। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, निदेशक डॉ. आशीष जोशी और अन्य प्रोफेसर उपस्थित रहे।

मेपकास्ट में दत्तोपंत ठेंगडी शोध संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शोधार्थी समागम-2026 का शुभारंभ

समग्रता है भारतीय शोध दृष्टि की विशेषताः सोनी

स्वदेश समाचार ■ भोपाल

प्रख्यात चिंतक और विचारक सुरेश सोनी ने कहा कि वर्तमान अकादमिक चिंतन यूरोप केंद्रित है। इस विचार का ग्रेविटेशनल फोर्स भारत के बाहर है। यूरोप में विषयों का वर्गीकरण ऐसा किया गया है, जो भारत में नहीं है। शोध के लिये इसे भारत केंद्रित बनाना होगा। भारत की शोध दृष्टि समग्रता में है, विषयों को खंड-खंड देखने की नहीं है। श्री सोनी श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान द्वारा मेपकास्ट में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोधार्थी समागम 2026 के उद्घाटन सत्र में उद्बोधन दे रहे थे।

उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा और शोध के लिए दृष्टि, उत्तरदायित्व और कार्य योजना पर विस्तार से प्रकाशित डाला। विकसित भारत के लिए विभिन्न विषयों में शोध और इस विचार के महत्व को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि हमारा शोध न तो पुराने की छाया हो और नहीं रूस और अमेरिका की प्रतिकृति बने। हमें अकादमी जगत में इंटरनल वैल्यूज को ध्यान में रखकर शोध करना चाहिए। पाश्चात्य समाजशास्त्री विचारों ने समाज को विकृत रूप में प्रस्तुत किया है। भारत के गांव में ब्राह्मण के विवाह के अवसर पर कुम्हार की चाक से मिट्टी लाने की परंपरा रही है। श्री सोनी ने कहा कि हमारा अर्थशास्त्र का ज्ञान इस सिद्धांत पर आधारित नहीं है। इस सिद्धांत के आधार पर सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लक्ष्य को पाया नहीं जा सकता। इसके लिए 'उत्पादन में प्रचुरता और उपभोग में संयम' का मंत्र अपनाना होगा। मांग-आपूर्ति के सिद्धांत को देखें तो उसमें लाभ की कोई सीमा नहीं है।

इंटेलिजेंस आर्टिफिशियल न बन जाए

श्री सोनी ने वर्तमान में डिजिटल और सोशल मीडिया की प्रवृत्ति से हो रहे नुकसान का भी उल्लेख किया। उन्होने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग संयमित होना चाहिए, नही तो यह हमारे इंटेलिजेंस को आर्टिफिशयल बना सकता है। उन्होंने कहा कि स्क्रीन पर बहुत व्यस्त रहने पर व्यक्ति समाज से कट जाता है। उन्होंने कहा कि तकनीकी को अपना स्वामी न बनाएं। उन्होंने कहा कि अभी हमारी चिकित्सा पद्धति भौतिक है, लेकिन आयुर्वेद शास्त्र में महर्षि चरक कहते है कि किसी पदार्थ के 5 स्तर- स्थूल, स्वरूप, सूक्ष्म, अवयव और अर्थत्व होते है।

शोध ऐसा हो, जो सबकी सोच ही बदल दें : मुख्यमंत्री

उदघाटन सत्र के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शोध अकादमिक गतिविधि मात्र नही, यह समाज और राष्ट्र की दिशा बदलने वाली शक्ति है। कोई भी शोध इतना उच्च कोटि का होना चाहिए जो हम सबकी सोच को एक नई दृष्टि, नई दिशा भी दे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी शोधार्थियों से आह्वान किया कि वे देश के विकास के लिए अपनी जिज्ञासा और रुचि के अनुसंधान क्षेत्रों में निर्भीक होकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि शोध का लाभ एकल नहीं है वह समाज के लिए है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शोध सिर्फ एक शैक्षणिक आवश्यकता नहीं, सामाजिक परिवर्तन और विकास का सशक्त माध्यम भी है।

वेबसाइट का विमोचन पोस्टर का अनावरण| इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'महाकाल : द मास्टर ऑफ टाइम' वेबसाइट का शुभारंभ किया, महाकाल ब्रोशर का विमोचन किया तथा मैपकास्ट द्वारा आयोजित होने वाले '41वें मध्यप्रदेश युवा वैज्ञानिक सम्मेलन एवं विज्ञान उत्सव' के पोस्टर का अनावरण किया।

भारतीय संस्कृति और चरित्र मूलक होना चाहिए शोध

विशिष्ट अतिथि पूज्य आचार्य मिथलेशनन्दिनी शरण महाराज ने कहा कि हमारे शोध को भारतीय संस्कृति और चरित्र मूलक होना चाहिए, प्रतिक्रिया पराणय न हो। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष कुलगुरु प्रो. मधुकर एस पड़वी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संस्थान के अध्यक्ष अशोक पाण्डेय ने समागम की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। उदघाटन सत्र में मैपकास्ट के अध्यक्ष डॉ. अनिल कोठारी, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी आदि उपस्थित थे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH'13 FEBRUARY.2026

‘शोध में समाज व राष्ट्र की दिशा बदलने वाली शक्ति’

3 दिवसीय राष्ट्रीय शोधार्थी समागम में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

पीपुल्स संवाददाता • भोपाल
मो.नं. 9893231237

शोध अकादमिक गतिविधि मात्र नहीं, यह समाज और राष्ट्र की दिशा बदलने वाली शक्ति है। शोध इतना उच्च कोटि का होना चाहिए जो हम सबकी सोच को एक नई दृष्टि, नई दिशा भी दे। यह बात सीएम डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् (मेपकास्ट) के विज्ञान भवन में दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान द्वारा आयोजित 3 दिवसीय राष्ट्रीय शोधार्थी समागम (नेशनल रिसर्चर्स मीट) 2026 को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी शोधार्थियों से आह्वान किया कि वे देश के विकास के लिए अपनी रुचि के अनुसंधान क्षेत्रों में निर्भीक होकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि जैसे आवश्यकता आविष्कार की जननी है, वैसे ही शोध विज्ञान और पद्धतियों का जनक है, इसलिए परंपरागत धारणाओं तक सीमित न रहें, बल्कि नवीन वैज्ञानिक दृष्टि के साथ ऐसे शोध प्रस्तुत करें, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें। कार्यक्रम को उच्च शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने भी संबोधित किया।

भोपाल। कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

भारत के भौगोलिक स्वरूप में वेद आधारित संस्कृति परिदृश्य

वरिष्ठ लेखक एवं चिंतक सुरेश सोनी ने कहा कि भारत के भौगोलिक स्वरूप में वेद आधारित सांस्कृतिक परिदृश्य नजर आता है। उद्घाटन सत्र में मैपकास्ट के अध्यक्ष डॉ. अनिल कोठारी, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विवि के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी आदि उपस्थित थे।

महाकाल वेबसाइट का शुभारंभ, पोस्टर का विमोचन

सीएम डॉ. यादव ने ‘महाकाल : द मास्टर ऑफ टाइम’ वेबसाइट का शुभारंभ किया। इसके साथ ही मैपकास्ट द्वारा आयोजित होने वाले ‘41वें मप्र युवा वैज्ञानिक सम्मेलन व विज्ञान उत्सव’ के पोस्टर सहित 7 पुस्तकों का भी विमोचन किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM ‘MCNUJC LIBRARY
‘PEOPALS SAMACHAR ’13 FEBRUARY.2026

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय

माखनपुरम परिसर, म.प्र. राज्य शूटिंग अकादमी के पास
बिसनखेड़ी, भोपाल-462044 (म.प्र.), फोन नंबर 0755-2552574

विश्वविद्यालय में किराये पर फोटोकॉपी मशीन लगाने हेतु निविदा

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल बिसनखेड़ी परिसर में किराये पर फोटोकॉपी मशीन लगाने हेतु एक वर्ष के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, शर्तें एवं विस्तृत ज्ञानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.mcu.ac.in** से डाउनलोड की जा सकती है या विश्वविद्यालय के बिशनखेड़ी परिसर स्थित भण्डार शाखा से प्राप्त की जा सकती है।

निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. 1180/- (रुपये एक हजार एक सौ अस्सी मात्र) 18 प्रतिशत जीएसटी सहित तथा सुरक्षा निधि राशि रु. 25,000/- (रुपये पच्चीस हजार) मात्र हैं। निविदाएं निर्धारित समय सीमा में भण्डार शाखा में जमा करने पर मान्य होंगी। निविदा में किसी प्रकार का संशोधन होने की स्थिति में संशोधन की जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दी जाएगी। निविदा जमा करने की **अंतिम तिथि 27.02.2026 अपरान्ह 3.00 बजे** एवं खोलने की तिथि 27.02.2026 अपरान्ह 4.00 बजे निर्धारित है।

म.प्र. माध्यम/124452/2026

कुलसचिव

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PEOPALS SAMACHAR'13 FEBRUARY.2026

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय

माखनपुरम परिसर, म.प्र. राज्य शूटिंग अकादमी के पास
बिसनखेड़ी, भोपाल-462044 (म.प्र.), फोन नंबर 0755-2552574

विश्वविद्यालय में किराये पर फोटोकॉपी मशीन लगाने हेतु निविदा

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल बिसनखेड़ी परिसर में किराये पर फोटोकॉपी मशीन लगाने हेतु एक वर्ष के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, शर्तें एवं विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.mcu.ac.in** से डाउनलोड की जा सकती है या विश्वविद्यालय के बिशनखेड़ी परिसर स्थित भण्डार शाखा से प्राप्त की जा सकती है।

निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. 1180/- (रुपये एक हजार एक सौ अस्सी मात्र) 18 प्रतिशत जीएसटी सहित तथा सुरक्षा निधि राशि रु. 25,000/- (रुपये पच्चीस हजार) मात्र हैं। निविदाएं निर्धारित समय सीमा में भण्डार शाखा में जमा करने पर मान्य होंगी। निविदा में किसी प्रकार का संशोधन होने की स्थिति में संशोधन की जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दी जाएगी। निविदा जमा करने की **अंतिम तिथि 27.02.2026 अपरान्ह 3.00 बजे** एवं खोलने की तिथि 27.02.2026 अपरान्ह 4.00 बजे निर्धारित है।

कुलसचिव

म.प्र. माध्यम/124452/2026

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI '13 FEBRUARY.2026